कि अनेक प्रकार के स्प्रे किए जाने के बावजूद उक्त कीड़ा नहीं मरता है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि जब किसानों ने इस संबंध में कृषि वैज्ञानिकों से सम्पर्क किया जो उन्होंने बताया कि स्प्रे का प्रयोग समुचित ढंग से नहीं किया गया था; और

(घ) सरकार द्वारा कपास की फसल को बचाने तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए अब तक किए गए प्रयासों का ब्यौरा क्या है और उनके क्या परिणाम निकले हैं?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) कपास की फसल का एकमात्र व सबसे अधिक गंभीर कीट-कृमि अमेरिकन बोलवार्म (हीलिओथिस) है। किसी भी मुख्य कपास उत्पादक राज्य ने हीलिओथिस कीट के लगने की वजह से कपास की फसल को होने वाले महत्वपूर्ण नुकसान को नहीं माना है।

(ख) और (ग) सरकार को भी यह मालूम है कि कीटनाशी दवाओं के छिड़काव के बावजूद भी जब कैटर-पिलय बड़े हो जाते हैं तो इस बढ़ती अवस्था में हीलिओथिस पर नियंत्रण पाना कठिन है। यह भी सर्वविदित है कि छिड़काव के असंस्तुत तरीके भी हीलिओथिस के खिलाफ निष्प्रभावी सिद्ध होते हैं।

(घ) सरकार ने हीलिओथिस कीट पर नियंत्रण पाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

(i) नियमित कीट निगरानी और समयोजित तथा उपयुक्त नियंत्रण उपायों की मानिटरिंग;

(ii) कपास में समेकित कीट प्रबन्धन के अंगीकरण के लिए विस्तार कर्मियों व किसानों को प्रशिक्षण देना, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, कृषि पद्धतियों को उचित तरीके से अपनाना व गैर-रासायनिक साधनों का प्राथमिक रूप से प्रयोग करना शामिल है;

(iii) गुणवत्ता वाली कीटनाशी दवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के प्रबन्ध; और

(iv) किसानों को शिक्षा देने के लिए जनमाध्यमों के जरिए प्रचार।

वर्ष 1994-95 से, कपास की फसल में समेकित कीट प्रबन्धन को अपनाने के लिए विस्तार कर्मियों और कपास उत्पादकों को प्रशिक्षित किया गया है, जिसके ब्यौरे इस प्रकार हैं:—

वर्ष	समेकित कीट प्रबन्धन प्रशिक्षण	
	कृषि विस्तार अधिकारी	कपास उगाने वाले किसान
1994-95	774	4,779
1995-96	2,144	14,040
1996-97	2,250	13,500

परिणामत: गत 2-3 वर्षों से हीलिओथिस कीट से महामारी की घटना नहीं हुई है।

Wheat Production

23. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the quantity of wheat produced in the country, particularly in Punjab, during the last three years; State-wise;

(b) the amount of assistance provided by the Central Government to the State Governments for increasing the production of wheat during this period; and

(c) the steps being taken by Government to increase the production of wheat in Punjab and the incentives being provided to the farmers?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI CHATURANAN MISHRA): (a) A statement giving State-wise estimates of production of wheat including Punjab during the last three years i.e. 1993-94, 1994-95 and 1995—96 is annexed (*See* below).

(b) and (c) To increase the production and productivity of wheat in all major producing States including Punjab, the Government is implementing

(i) a centrally sponsored scheme of Integrated Cereals Development Programme in Wheat Based Cropping System Areas (ICDP-Wheat); and

(ii) a central sector scheme of Wheat Mini-kit Demonstration Programme (MDP-Wheat).

The amount of assistance provided (releases made) by the Central Government under the aforesaid schemes for Punjab as well as at the All India level during the period is as follows:

(Rs. in lakhs)

	1993-94	1994-95	1995-96
ICDP-Wheat			
Punjab	1317.05*	39.76	355.00
All India	4345.01*	1249.28	2144.00
MDP-Wheat			
Punjab	@	@	@
All India	71.90	83.53	65.50

* Earlier central sector Special Foodgrains Production Programme (SFPP-Wheat)

@ The scheme MDP-Wheat is being implemented on reimbursement basis to States, National Seeds Corporations, Agricultural Universities and State-wise information is not maintained.

Statement

State-wise Estimate of Production of Wheat during 1993-94, 1994-95 and 1995-96.

('000 Tonnes)

State	1993-94	1994-95	1995-96
Andhra Pradesh	5.9	8.4	5.2
Arunachal Pradesh	8.5	7.6	8.5
Assam	100.8	103.6	95.1
Bihar	4356.7	4275.0	4180.5
Gujarat	928.2	1962.4	1123.5
Haryana	7231.0	7303.0	7350.0
Himachal Pradesh	412.6	599.3	543.6
Jammu & Kashmir	352.1	349.1	349.1
Karnataka	192.0	171.8	150.2
Madhya Pradesh	6766.6	7278.6	6467.9
Maharashtra	1055.9	1111.2	897.7
Meghalaya	6.6	6.4	6.4
Nagaland	1.0	0.6	1.5
Orissa	5.0	6.7	5.4
Punjab	13377.0	13542.0	12724.0
Rajasthan	3459.5	5612.7	5493.1
Sikkim	14.1	14.9	15.3
Tamil Nadu	0.1	0.1	Neg.
Tripura	7.8	4.9	5.2
Uttar Pradesh	20822.4	22560.2	22202.6
West Bengal	632.1	744.5	850.0
D & N Haveli	0.5	0.5	0.3
Delhi	103.9	103.9	145.0
ALL INDIA	59840.3	65767.4	62620.1

Notes: Remaining States/Union Territories having production less than 50 tonnes under wheat are not included.

पशुपालन संबंधी अनुसंधान फार्म

24. **श्री रामजीलाल:** क्या पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में पशुपालन संबंधी बड़े-बड़े अनुसंधान फार्मों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पिछले कुछ समय से ये अनुसंधान केन्द्र निष्क्रिय हैं जिसके परिणामस्वरूप पशुओं की नस्ल सुधार का कार्य रुक गया है; और

(ग) यदि हां, तो पशुओं की नस्ल में सुधार लाने के लिए चालू वर्ष की योजना संबंधी ब्यौरा क्या है?

पशुपालन और डेयरी विभाग के राज्य मंत्री (डा० रघुवंश प्रसाद सिंह): (क) राज्य सरकारों के अनुसंधान फार्मों, कृषि विश्वविद्यालयों तथा अन्य संगठनों के अलावा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 6 पशु विज्ञान अनुसंधान संस्थान, 2 परियोजना निदेशालय, 4 राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र तथा 3 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं हैं जो बड़े पशुपालन अनुसंधान से संबंध रखते हैं।

(ख) जी, नहीं।

(ग) जहां तक पशुपालन और डेयरी विभाग का संबंध है, चालू वर्ष में निम्नलिखित योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं जिनका उद्देश्य नस्ल सुधार का है:—

1. केन्द्रीय गोपशु विकास संगठन
2. केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म, हिसार
3. कुक्कुट विकास संगठन
4. विस्तारित हिमित वीर्य प्रौद्योगिकी और संतति परीक्षण कार्यक्रम
5. राष्ट्रीय सांड उत्पादन कार्यक्रम
6. राष्ट्रीय मृग/मेड़ा उत्पादन कार्यक्रम
7. भारवाही पशुओं का विकास और परिरक्षण
8. एकीकृत सूअर विकास के लिए राज्यों को सहायता।

Consumption level of Milk

25. SHRI VEDPRAKASH P. GOYAL: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state:

(a) the present per capita consumption level of milk per day in India and the national target of the same;